युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के 51वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के 6वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीरामकथाज्ञान–यज्ञ ।

प्रेस विज्ञप्ति

गोरखपुर 05 सितम्बर, 2020। गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित वाल्मीकि रामायण पर आधारित संगीतमय रामकथा के समापन के अवसर पर सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने कहा कि गोरक्ष पीठ के पूर्व आचार्यों के पुण्यतिथि के अवसर पर मन्दिर परिसर में प्रतिवर्ष की भांती लोकमंगल हेतु कथा का आयोजन हुआ है। कोरोना महामरी के इस दौर में भी तकनीक के माध्यम से रामकथा को लगभग 600000 लोगों ने देखा व सुना यह प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि जब कोई चुनौती आवे तो यह मानकर चलना चाहिए कि कोई बहुत अच्छा कार्य होने वाला है व किसी बड़े कार्य की शुरुआत में कोई बड़ी बाधा आती ही है। उन्होंने कहा कि 492 वर्षों बाद अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का मंदिर निर्माण एक नए युग की शुरुआत है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के अनुकूल भारत की यश और कीर्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम भी यह मन्दिर निर्माण ही है। भारत के स्वाभिमान व सम्मान तथा गौरव को दुनिया के सामने रखने का एक अवसर भी यह मंदिर निर्माण प्रदान कर रहा है। गोरक्ष पीठ के पूज्य दोनों आचार्यों ने भी अपने जीवन का ध्येय राम जन्म भूमि मुक्ति को ही चुना था।

कथा में कथा व्यास अनन्त श्री विभूषित जगतगुरु स्वामी रामानुजाचार्य श्री राघवाचार्य जी महाराज ने कहा कि राम नाम का संकीर्तन करने से अंतः करण के समस्त पाप धुल जाते हैं। परलोक में यदि संदेह हो तो भी पूर्ण कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि मरणोपरांत यदि परलोक रहेगा तो यही पुण्य काम आएगा। संपूर्ण संसार की शरणागति भगवान के श्री चरणों में ही होती है। भगवान की शरणागति से बढ़कर महत्वपूर्ण कोई कार्य नहीं है, उसके लिए जीवन के प्रत्येक क्षण यत्न करना चाहिए। भगवान की प्राप्ति को छोड़कर जीव के लिए कोई और गति नहीं है। जीवन में जन्म से लेकर मृत्यु तक राम नाम का ही संकीर्तन व स्मरण व्यक्ति को करना चाहिए तथा भगवान के नाम का जयघोष करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि लोक में यश व कीर्ति की प्राप्ति के लिए अपने शक्ति के अनुकूल व्यक्ति को शास्त्रीय वैदिक व्यवस्था का सदा समादर करते हुए धर्म का पालन करते ही रहना चाहिए। जिसने परलोक में संदेह कर धर्म का परित्याग कर दिया वह व्यक्ति इस लोक व परलोक दोनों से हाथ धो बैठता है। कथा व्यास ने कहा कि सत्य से बड़ा कोई धर्म नहीं होता इसलिए व्यक्ति को हमेशा सत्य का आचरण करते रहना चाहिए। भगवान श्री राम का चरित्र इसी आदर्श की स्थापना करता है। उन्होंने कहा कि भगवान की शरण में जाने के लिए शुभ मुहूर्त की आवश्यकता नहीं पड़ती तथा जन्म से मृत्यु पर्यंत प्रभु श्री राम का नाम ही हमारे लिए प्रेरणा स्रोत होना चाहिए क्योंकि उसी रघुनंदन भगवान श्री राम के कृपा से हमारे सारे पाप

नष्ट होते हैं। जीव भगवान श्रीराम का चिंतन करते हुए किसी को भी प्रणाम करता है तो वह प्रणाम भगवान श्रीराम तक पहुंच ही जाता है। भगवान राम का चरित्र व आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। अन्न भक्षण की विधि का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने कहा कि अन्न के दो अर्थ होते हैं पहला– जो पुरुष खाता है वह अन्न है, दूसरा जो पुरुष को ही खा जाता है वह भी अन्न है। तात्पर्य यह है कि जब हम विधि से अन्न को ग्रहण करते हैं तो हम उसका उपभोग करते हैं, किंतु बिना विधि के खाया जाने वाला अन्न, खाने वाले को ही खा जाता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम रघुनंदन श्री राम ही सब कुछ करते हैं उन्हीं पर सब कुछ छोड़कर जीव को चिंता न करते हुए अपना कर्म करते रहना चाहिए। जीव के बस में कुछ नहीं होता फिर भी वह चिंता करता रहता है। उसी में अपना जीवन व्यर्थ गंवा देता है और इसीलिए दुःखी रहता है।

कथा के बीच में कथा व्यास द्वारा अनेक भजन गाए गयें, जिस पर भक्तगण झूमते रहे। सम्पूर्ण कथा का 'श्रीगोरखनाथ मन्दिर' के फेसबुक पेज एवं यूट्यूब चौनल के माध्यम से सजीव प्रसारण हुआ तथा कथा सभागार में 80 श्रद्धालुओं की बैठने की व्यवस्था थी और सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए भक्तजन कथा का श्रवण किये।

कथा का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। संचालन डॉ0 श्रीभगवान सिंह जी ने किया।माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी , कथावाचक स्वामी राघवाचार्य जी महाराज , दिगंबर अखाड़ा के महंत सुरेश दास जी, अयोध्या से महंत धर्मदास, हुनुमान मंदिर के महंत प्रेमदास ,गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी। कालीबाड़ी के महंत श्री रविंद्रदास जी ,वाराणसी से के सतुआ बाबा आश्रम के संतोषदास जी, वृन्दावन से श्री अनिल कृष्ण जी महाराज, कानपूर से आचार्य शिवाकांत जी , विधायक सहजनवा श्री शीतल पाण्डेय , रामजनम सिंह ,उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती अंजू चौधरी, उत्तर प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री पुष्पदंत जैन तथा सदस्य जवाहरलाल कसौधनयजमान में अरुण कुमार अग्रवाल ,श्री अवधेश सिंह, श्री अजय कुमार सिंह ,विवेक सूर्या , चचाईराम मठ के महंत श्री पंचानन पुरी, अयोध्या से श्री राममिलन दास, विक्रम चौधरी, दुर्गेश बाजाज सहित बड़ी संख्या में कथा प्रेमी और संतगण उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम गोरखनाथ मंदिर के फेसबुक पेज तथा यू ट्यूब चौनल पर लाइव प्रसारण किया गया । लाइव प्रसारण के लिए तकनीकी में डॉ पवन पाण्डेय, डॉ अमरनाथ तिवारी, विनय गौतम, अंकुर त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे । 48 घंटे का अखंड रामचरितमानस का पाठ गोरखनाथ मंदिर में 4 सितंबर से चल रहा है कल 6 सितंबर को दिन में 12:00 बजे उसकी पूर्णाहुति होगी। संपूर्ण रामायण पाठ कार्यक्रम का संयोजन गौतम पाठक एवं नित्यानंद त्रिपाठी कर रहे है।